हर फूल सुंदर है

कई वर्ष पहले एक बड़ी पहाड़ी के ऊपर सेब का एक छोटा पेड़ लगा था.

हर वर्ष वसंत में पेड़ फूलों से भर जाता था.

पहाड़ी की चोटी से वह दूर-दूर तक देख सकता था.

उसने घास को, फूलों को और ऊँचे, सफेद महल को देखा.
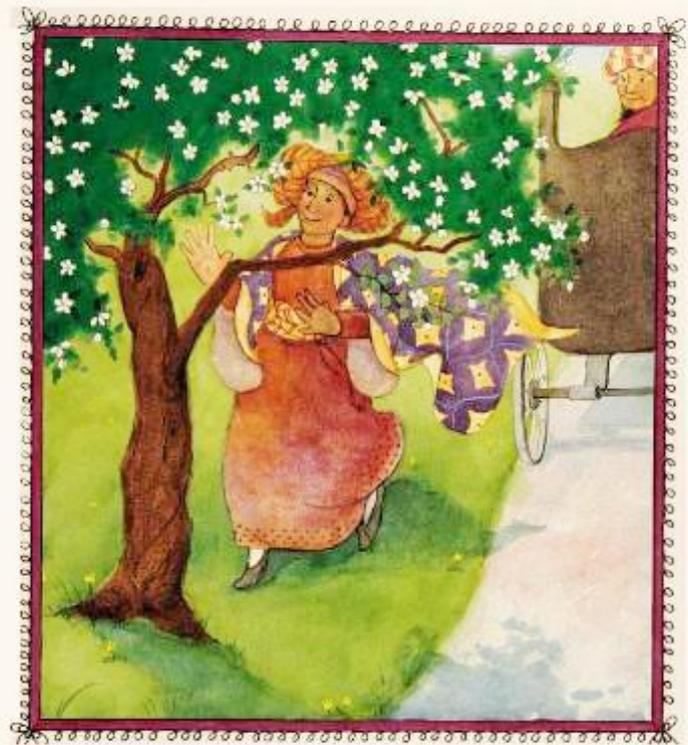
वसंत के एक दिन, एक गाड़ी को पहाड़ी के ऊपर आई. "रूको," गाड़ी के अंदर से आवाज़ आई.

एक राजकुमार कूद कर गाड़ी से बाहर आया और सेब के पेड़ की ओर दौड़ पड़ा.

"इसके फूल तो तारों समान सुंदर हैं." उसने खुशी से कहा.
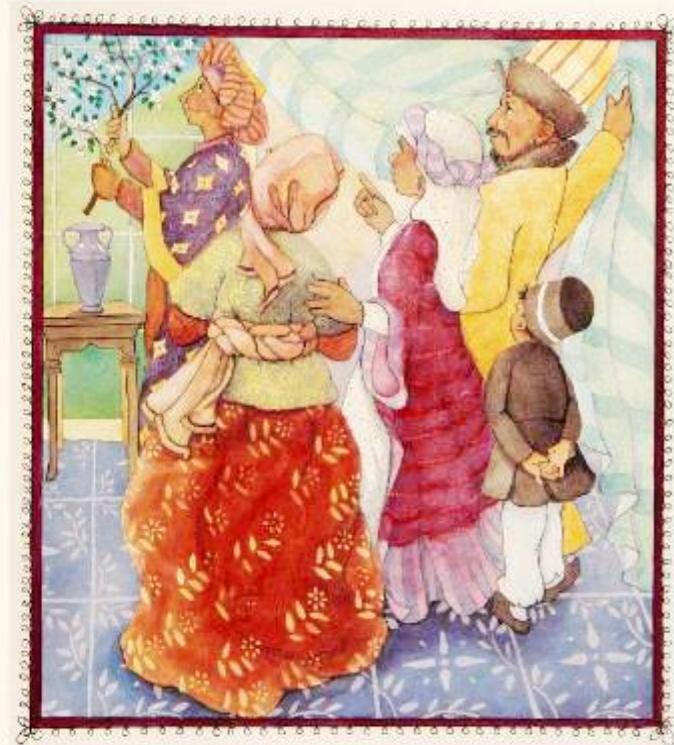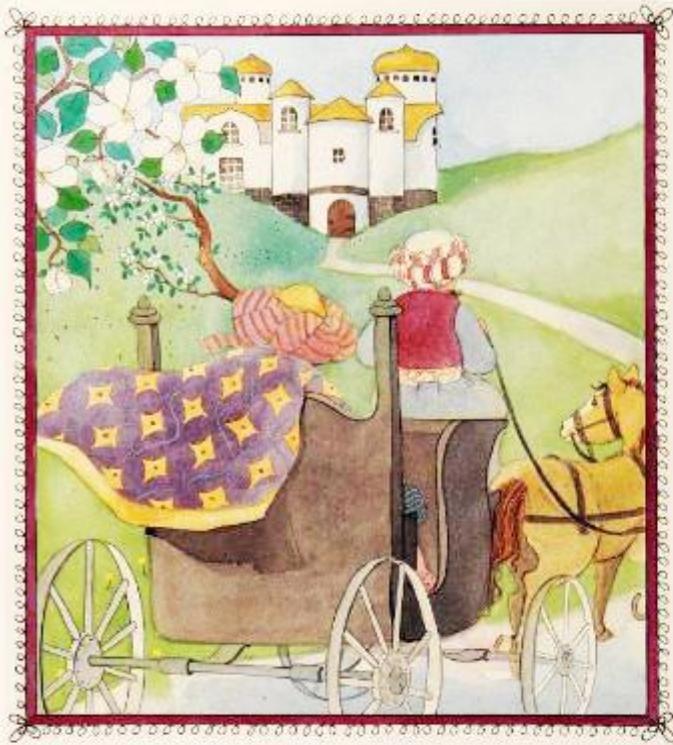
राजकुमार ने सेब के पेड़ की एक डाल काट ली.
उस डाल को बड़े ध्यान से अपनी गाड़ी में रख लिया.
“मैं तुम्हें अपने महल में ले जाऊँगा,” उसने कहा.
सेब की डाल ने लहरा कर पहाड़ी को अलविदा किया.

महल आकर्षक वस्तुओं से भरा हुआ था.
उनमें सबसे सुंदर था शीशे का बना एक फूलदान.
राजकुमार ने सेब की डाल को उस फूलदान में रख दिया.
महल में रहने वाला हर व्यक्ति उस डाल को देखने आया.

“कितने सुंदर फूल हैं!” राजा ने कहा.
रानी ने एक कली को छुआ.
“इसकी पंखुड़ी कितनी कोमल है!” उसने कहा.
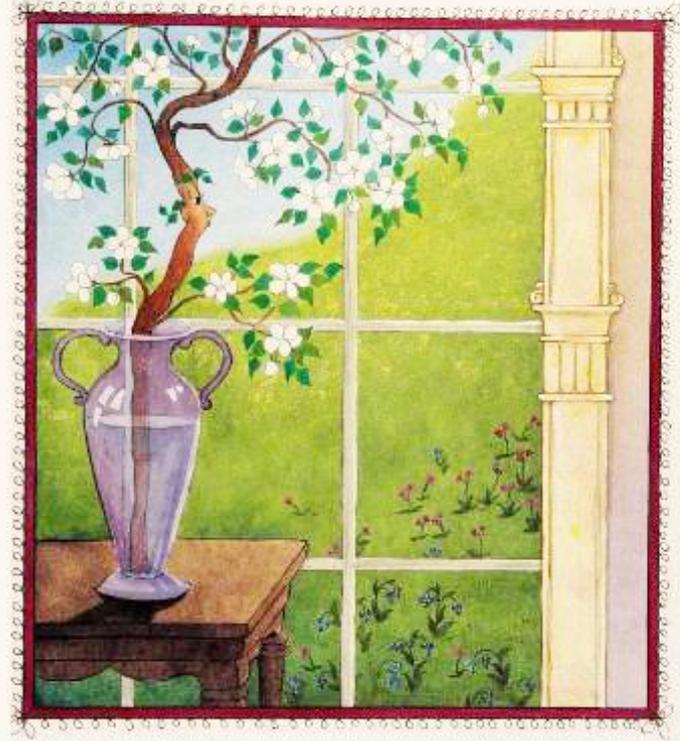
“मैं कितना मनमोहक हूँ!” सेब की डाल ने कहा.
फिर उसने बाहर बगीचे में लगे फूलों को देखा.
“ब्लूबैल के फूल तो सुंदर नहीं हैं,” उसने कहा.
“और प्रिमरोज़ तो बिलकुल साधारण हैं.”
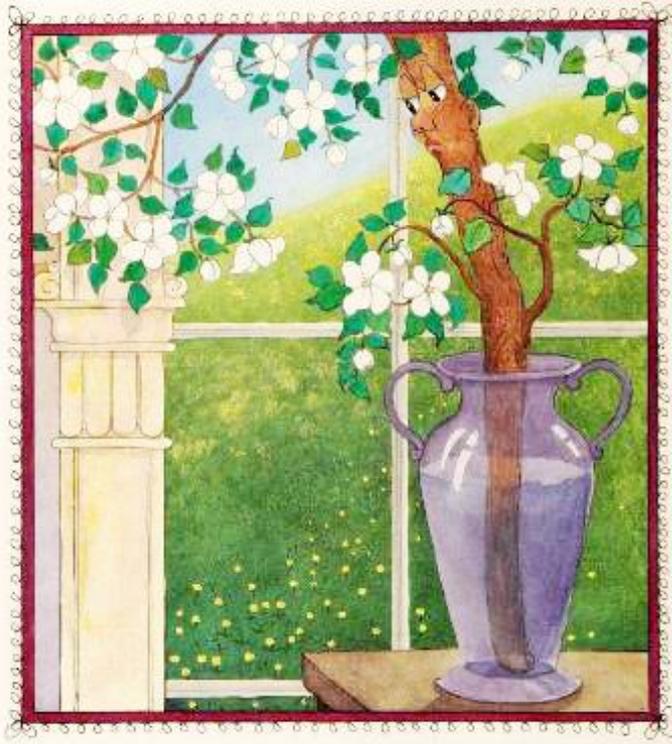
फिर सेब की डाल ने डैन्डलाइन के फूल देखे.
“हे भगवान! डैन्डलाइन कितने बदसूरत हैं!” उसने कहा.
“वह छोटे और गोल और पीले हैं.
कितनी शर्म की बात है कि वह मेरी तरह सुंदर नहीं हैं.”
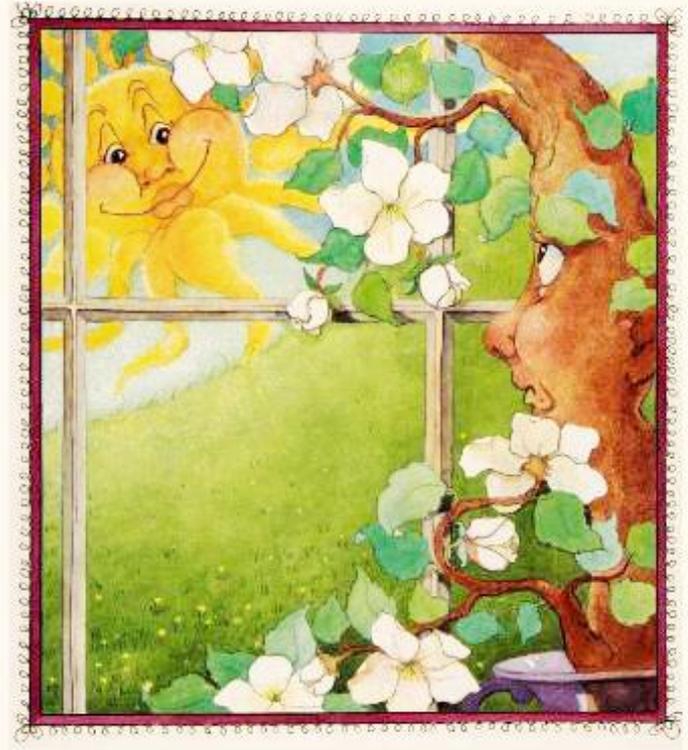
तब सूरज ने खिड़की से भीतर झाँका.
“सेब की डाल, सब फूल सुंदर हैं,” उसने कहा.
“डैन्डलाइन नहीं हैं,” सेब की डाल ने उत्तर दिया.
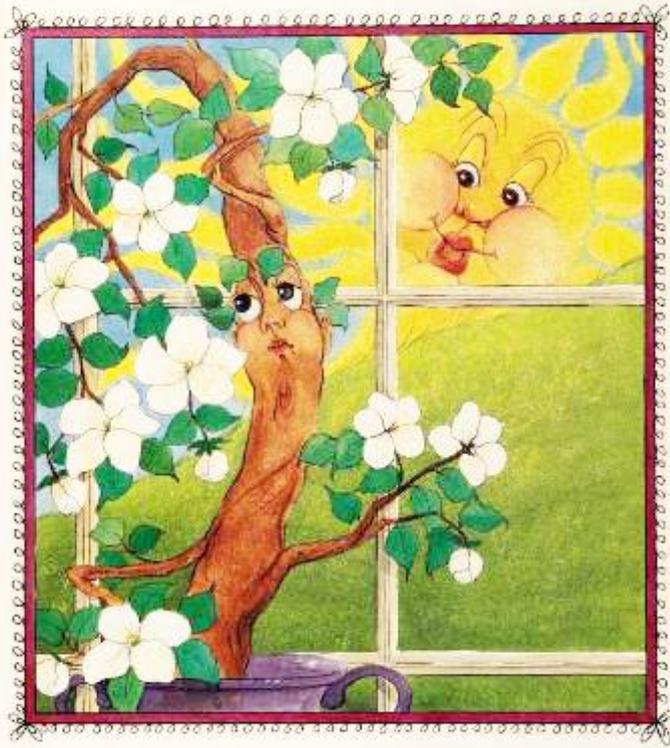
“हर फूल की अपनी सुंदरता होती है,” सूरज ने कहा.

“डैन्डलाइन के फूलों को कोई पसंद नहीं करता,” सेब की डाल ने कहा.

“बाहर देखो,” सूरज बोला.

“बच्चों को डैन्डलाइन अच्छे लगते हैं,” सूरज ने कहा.

“जब डैन्डलाइन के फूल खिलते हैं तो बच्चे उन्हें इकट्ठे कर लेते हैं. फिर फूल रोंयेदार गोल बीजों में बदल जाते हैं. इन बीजों को फूंक मार कर हवा में उड़ाना बच्चों को अच्छा लगता है.”
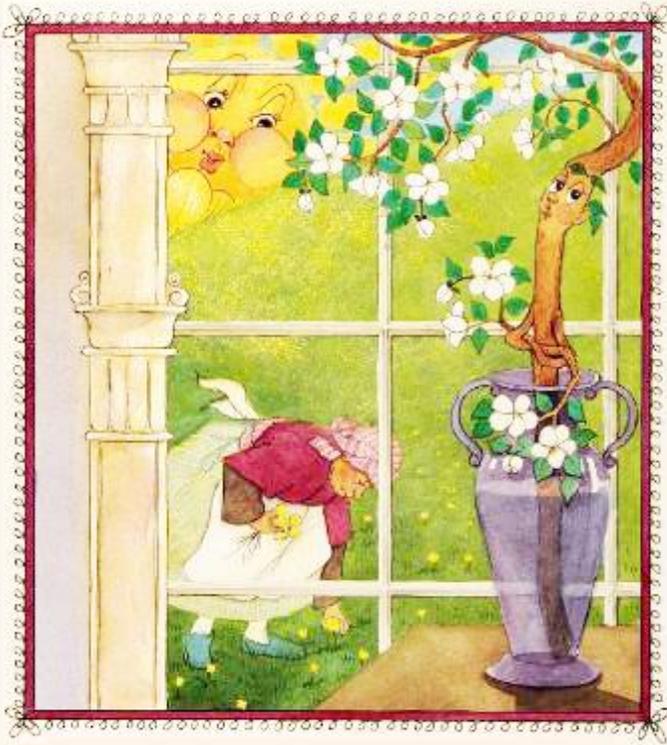
“अब उस औरत को देखो,” सूरज ने कहा.
“वह डैन्डलाइन के फूलों से चाय बनायेगी.
चाय रात-भर उसे गर्म रखेगी.”
“डैन्डलाइन कूड़ा-करकट होते हैं,” सेब की डाल ने कहा
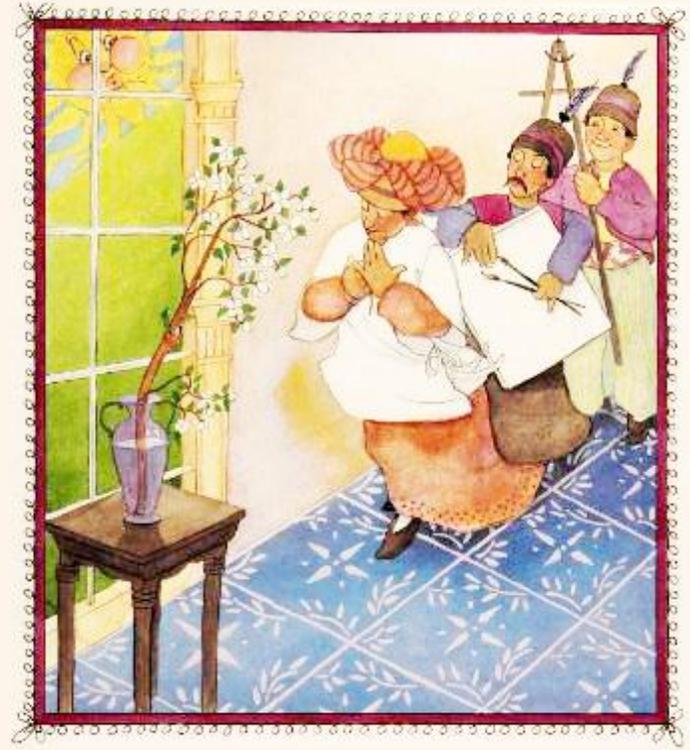
“अहा! राजकुमार आ रहा है!” सूरज ने कहा.
“अरे, वह क्या ला रहा है?”
“वह बड़ी सावधानी से आ रहा है,” सेब की डाल ने कहा.
“अवश्य ही कोई बहुत ही विशेष वस्तु होगी.”
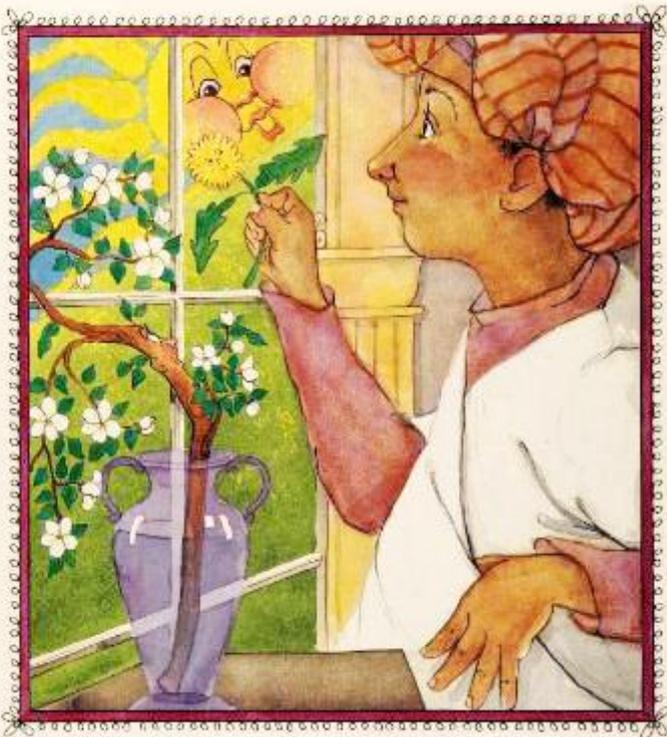
वह डैन्डलाइन का एक फूल था!

फूल को अच्छी तरह से देखने के लिए राजकुमार ने उसे ऊपर उठाया.

“देखो, यह कितना सुंदर है. यह उत्तम है!” उसने कहा.

यह शब्द सुनकर, सेब की डाल को विश्वास न हुआ.
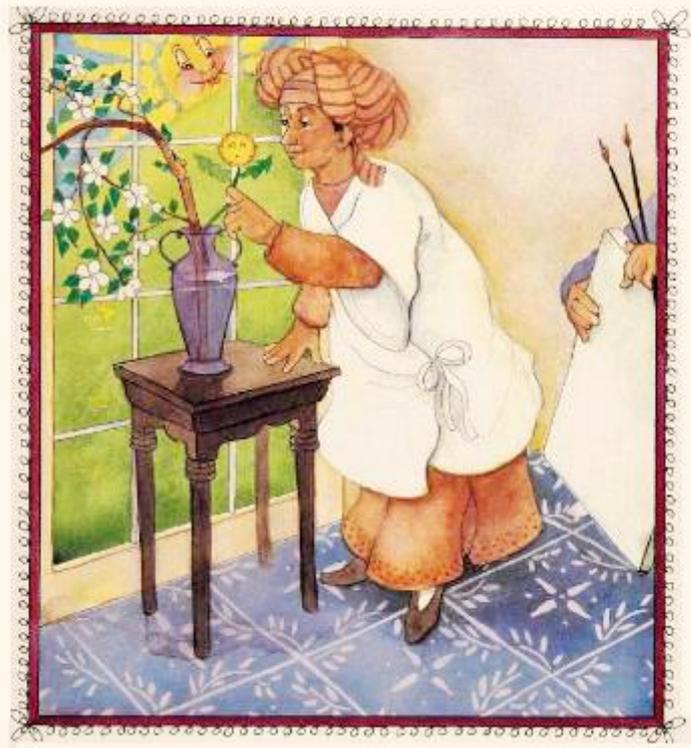
फिर राजकुमार ने डैन्डलाइन को फूलदान में रख दिया.
“यह फूल कितने भिन्न हैं,” उसने कहा.
“लेकिन यह दोनों सुंदर हैं.
मैं इनका एक साथ चित्र बनाऊँगा.”
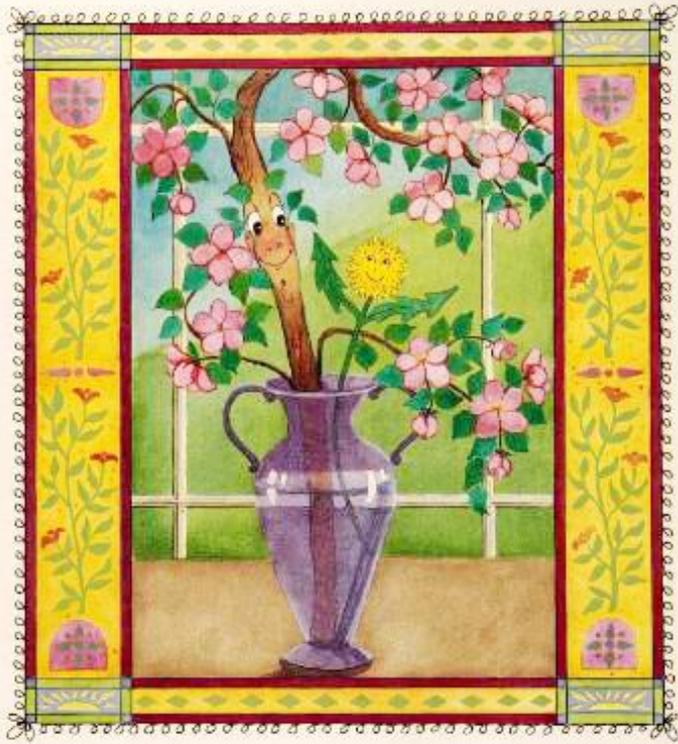
सेब की डाल को अपने कठोर शब्द याद आए.

वह लज्जित हो गया और उसके फूल गुलाबी रंग के हो गए.

आखिरकार उसे सूरज की बात समझ आ गई.

हर फूल सुंदर है.